फिर मैं क्यूँ हारा हूँ श्याम भजन लिरिक्स

मेरे खाटू वाले के,
दर पे जो आता है,
सुख सारे जीवन का,
फिर वो ही पाता है,
जो हार जाते है,
उनको ही जिताता है,
फिर मैं क्यूँ हारा हूँ,
फिर मैं क्यूं हारा हूँ।bd।

तर्ज – जो प्यार करता है।

झूठी है दुनिया,
झूठी है माया,
मतलब का बाबा ये,
संसार सारा,
हार गया हूँ बाबा,
अब तो तू आजा,
तेरे ही दर पे सुना है बाबा,
जो हार के आते है,
उनका बन जाता है,
फिर मैं क्यूं हारा हूँ,
फिर मैं क्यूं हारा हूँ।bd।

दर दर की मैंने,
ठोकर है खाई,
सारी ही दुनिया ने,
ठुकरा दिया है,
थक सा गया हूँ बाबा,
तेरी कमी है,
'लवप्रीत' ने भी,
सुना है बाबा,
जो हार के आते है,
उनका बन जाता है,
फिर मैं क्यूं हारा हूँ,
फिर मैं क्यूं हारा हूँ।bd।

मेरे खाटू वाले के,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

दर पे जो आता है,
सुख सारे जीवन का,
फिर वो ही पाता है,
जो हार जाते है,
उनको ही जिताता है,
फिर मैं क्यूँ हारा हूँ,
फिर मैं क्यूं हारा हूँ।bd।

Singer – Loveprit Vishwakarma

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com